राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना के तहत तैयार भारतीय हिमालयी नदी घाटियों के हिमनद झील एटलस का विमोचन

Release of Glacial Lake Atlas of Indian Himalayan River Basins Prepared under National Hydrology Project

जल शक्ति मंत्रालय,जल संसाधन ,नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग (डीओडब्ल्यूआर, आरडी एवं जीआर) भारत सरकार द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना के अंतर्गत राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र एक केंद्रीय कार्यान्वयन एजेंसी है। इसके एक भाग के रूप में , एनआरएससी भारतीय नदी घाटियों के हिमालयी क्षेत्र में'ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड (जीएलओएफ) हिमनद झीलों का जोखिम आंकलन का कार्य करता है जिसके तहत महत्वपूर्ण हिमनद झीलों और जीएलओएफ जोखिम मूल्यांकन की प्राथमिकता में उपयोग के लिए सभी भारतीय हिमालयी नदी घाटियों यथा- सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र में हिमनद झीलों की एक अद्यतन सूची तैयार की जाती है।

National Remote Sensing Centre is one of the Central Implementing Agency under National Hydrology Project (NHP) sponsored by Ministry of Jal Shakti, Department of Water Resources, River Development and Ganga Rejuvenation (DoWR, RD&GR), Govt. of India with financial aid from the World Bank. As part of this, NRSC is carrying out 'Glacial Lake Outburst Flood (GLOF) Risk Assessment of Glacial Lakes in the Himalayan Region of Indian River Basins' under which an updated inventory of Glacial Lakes in the all Indian Himalayan River basins i.e. Indus, Ganga and Brahmaputra are generated for use in prioritization of critical glacial lakes and GLOF risk assessment.

उपरोक्त का उपयोग करते हुए , भारतीय हिमालयी नदी घाटियों के हिमनद एटलस तैयार किया गया है और 16 मार्च , 2023 को एनआरएससी द्वारा आयोजित प्रयोक्ता संपर्क बैठक के दौरान डॉ. प्रकाश चौहान , निदेशक, एनआरएससी की उपस्थिति में प्रो.बी.जगदीश्वर राव , कुलपति, हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा औपचारिक रूप से विमोचन किया गया। भारतीय हिमालयी नदी घाटी हिमनद झील एटलस 0.25 हेक्टेयर से अधिक आकार की 28 ,043 हिमनद झीलों के वितरण को दर्शाता है , जो 2016-17 के उच्च-विभेदन रिसोर्ससैट-2 LISS4 MX उपग्रह डेटा का उपयोग करके 9,89,784 वर्ग-किमी. के भौगोलिक क्षेत्र को कवर करता है।एटलस क्षेत्र , प्रकार और ऊंचाई और प्रशासनिक इकाई के अनुसार हिमनद झीलों का विवरण प्रस्तुत करता है।एटलस संभावित महत्वपूर्ण हिमनद झीलों की पहचान करने और परिणामस्वरूप जीएलओएफ जोखिम मूल्यांकन के लिए उपयोगी है।यह केंद्रीय और राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों के लिए आपदा न्यूनीकरण योजना और संबंधित कार्यक्रमों में भी सहायता करता है। यह ध्यान दिया जा ए कि सिंधु , गंगा और ब्रह्मपुत्र नदी घाटियों के हिमनद एटलस क्रमशः 02-दिसंबर-2020 , 29-जून-2021 और 05-जुलाई-2022 को विमोचित किए जा चुके हैं। चारों एटलस, एनआरएससी की वेबसाइट से डाउनलोड किए जा सकते हैं (https://www.nrsc.gov.in/hindi/Atlas_Glacial_Lake) ।

Using above, Glacial Atlas of Indian Himalayan River Basins has been prepared and formally released by Prof.B.JagadeeshwarRao, Vice-Chancellor, University of Hyderabad in the presence of Dr. PrakashChauhan, Director, NRSC on 16 Mar, 2023 during User Interaction Meet 2023 organized at NRSC.The glacial lake atlas depictsspatial distribution of 28,043 glacial lakes of size greater than 0.25 ha mapped using high resolution Resourcesat-2 LISS4 MX satellite data of 2016-17 covering geographical area of 9,89,784 sq.km. The atlas presents the details of glacial lakes in terms of area, type and elevation and administrative unit wise. The atlas is useful for identifying the potential critical glacial lakes and consequent GLOF risk assessment. It also assists disaster mitigation planning and related programs for Central and State Disaster

Management Authorities. It may be noted that Glacial Atlases of Indus, Ganga and Brahmaputra River Basins werealready released on 02-Dec-2020, 29-Jun-2021and 05-Jul-2022 respectively.All the four atlases can be downloaded from NRSC website (https://www.nrsc.gov.in/Atlas_Glacial_Lake).

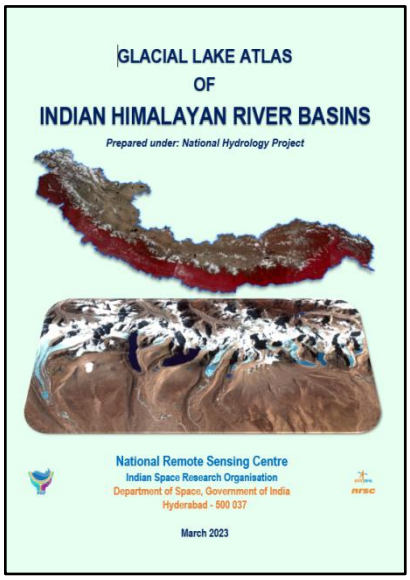

भारतीय हिमालयी नदी घाटियों के हिमनद झील एटलस का विमोचन 16 मार्च, 2023 को एनआरएससी में आयोजित प्रयोक्ता संपर्क बैठक 2023 के दौरान डॉ. प्रकाश चौहान , निदेशक, एनआरएससी की उपस्थिति में प्रो. बी.जगदीश्वर राव, कुलपति, हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा किया गया।

Release of 'Glacial Lake Atlas of Indian Himalayan River Basins' by Prof.B.JagadeeshwarRao, Vice-Chancellor, University of Hyderabad in the presence of Dr.PrakashChauhan, Director, NRSC on 16 Mar, 2023 during User Interaction Meet 2023 organized at NRSC.